बीएसएनएल ने यूजर्स को दिया तोहफा

लांच की वॉयस ओवर वाईफाई सर्विसेज

नई दिल्ली, 01 जनवरी. भारत संचार निगम लिमिटेड ने नव वर्ष पर पूरे देश में वॉयस ओवर वाई-फाई सेवा शुरू करने की घोषणा की है और इसके लिये किसी दूसरे ऐप के इस्तेमाल की जरूरत नहीं होगी.

संचार मंत्रालय की गुरुवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार देश की अग्रणी दूरसंचार सेवा प्रदाता सरकारी कंपनी बीएसएनएल की यह वाई-फाई कॉलिंग सुविधा देश के प्रत्येक दूरसंचार सर्कल में सभी बीएसएनएल ग्राहकों के लिए उपलब्ध हो गयी है. बयान में कहा गया है कि चुनौतीपूर्ण वातावरण में भी यह लोगों को निर्बाध और उच्च गुणवत्ता वाली संपर्क सुविधा सुनिश्चित करती है. वीओ वाई-फाई ग्राहकों को वाई-फाई नेटवर्क पर वॉयस कॉल और संदेश भेजने और प्राप्त करने की सुविधा देता है, जिससे घरों, कार्यालयों, बेसमेंट और दूरदराज के स्थानों जैसे कमजोर मोबाइल सिग्नल वाले क्षेत्रों में स्पष्ट और विश्वसनीय कनेक्टिविटी सुनिश्चित होती है. वीओ वाई-फाई आईएमएस-आधारित एक सेवा है जो वाई-फाई और मोबाइल नेटवर्क के बीच निर्बाध हस्तांतरण का समर्थन करती है. इसमें कॉल ग्राहक के वर्तमान मोबाइल नंबर और फोन डायलर का उपयोग करके किए जाते हैं जिसके लिए तीसरे पक्ष के एप्लिकेशन की आवश्यकता नहीं होती है.

> मंत्रालय का कहना है कि यह सेवा ग्रामीण और दूरदराज के उन क्षेत्रों में विशेष रूप से लाभप्रद है जहां मोबाइल कवरेज सीमित होती है बशर्ते बीएसएनएल भारत फाइबर या किसी अन्य ब्रॉडबैंड सेवा जैसी एक स्थिर वाई-फाई कनेक्टिविटी उपलब्ध हो. वीओ वाई-फाई अधिकांश आधुनिक स्मार्टफ़ोन पर समर्थित है. ग्राहकों को अपने हैंडसेट की सेटिंग्स में वाई-फाई कॉलिंग को सक्षम (इनेबल) करना होगा. इस सुविधा के संबंध में कंपनी ने हेल्पलाइन नंबर- 18001503 की एक सुविधा भी प्रदान की है.

चीन-वियतनाम-नेपाल से स्टील आयात पर भारत का सख्त प्रहार

नई दिल्ली , 01 जनवरी. भारत ने घरेलू उत्पादकों को अनुचित बाजार प्रतिस्पर्धा के नुकसान से बचाने के लिए कुछ चुनिंदा स्टील उत्पादों पर तीन साल के लिए डंपिंग रोधी शुल्क लगा दिया है.

मंगलवार को वित्त मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार यह शुल्क 21 अप्रैल, 2025 से प्रभावी होगा और पहले साल 20 अप्रैल, 2026 तक 12 प्रतिशत, दूसरे साल 11.5 प्रतिशत और तीसरे साल में 11 प्रतिशत रहेगा और 20 अप्रैल, 2028 को खत्म हो जाएगा. इसे हॉट-रोल्ड और कोल्ड-रोल्ड कॉइल, शीट, प्लेट और कोटेड इस्पात उत्पादों पर लागू किया गया है. मंत्रालय के अनुसार यह फैसला घरेलू इकाइयों की शिकायत की जांच के बाद किया गया है. इन निर्माताओं

ने कहा था कि विदेशों, खासकर चीन से, से कृत्रिम रूप से सस्ती दरों पर घरलू बाजार में आ रहे कुछ इस्पात उत्पादों से स्थानीय निर्माताओं को गंभीर नुकसान हो रहा है. अधिसूचना में कुछ विकासशील देशों से आने वाले इन उत्पादों को इस अधिसूचना से बाहर रखा गयाहै, लेकिन चीन, वियतनाम और नेपाल से आने वाले माल पर यह शुल्क लागू होगा. स्टेनलेस स्टील जैसे विशेष स्टील उत्पादों को इससे अलग रखा गया है.

नववर्ष में सोने-चांदी के दाम गिरे

172 रुपए कम हुआ सोना | **1,001 रुपए नीचे आई चांदी**

नई दिल्ली, 01 जनवरी. नए साल 2026 की शुरुआत सराफा बाजार में राहत भरी खबर लेकर आई है. 1 जनवरी की सुबह सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई, जिससे निवेशकों के साथ-साथ ज्वेलरी खरीदने की योजना बना रहे लोगों को सस्ते दामों पर खरीदारी का मौका मिला है.

अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रॉफिट बुकिंग के दबाव के कारण कीमती धातुओं पर असर देखने को मिला. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर शुरुआती कारोबार में सोना और चांदी दोनों ही लाल निशान में रहे. बीते वर्ष रिकॉर्ड

तेजी के बाद अब कीमतों में आई यह नरमी बाजार के लिए स्वाभाविक मानी जा रही है. दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता समेत देश के प्रमुख शहरों में आज 24 कैरेट और 22 कैरेट सोने के दाम नीचे आए हैं, जबकि चांदी की कीमतों में भी उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है. विशेषज्ञों का मानना है कि अल्पकाल में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है, लेकिन दीर्घकाल में सोना-चांदी निवेश के लिहाज से अब भी मजबूत विकल्प बने हुए हैं. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर 1 जनवरी 2026 को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई. फरवरी कॉन्ट्रैक्ट वाला सोना 172 रुपये की कमजोरी के साथ 1,35,275 प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता दिखा, जबकि मार्च कॉन्ट्रैक्ट की चांदी 1,001 रुपये टूटकर 2,34,700 प्रति किलो पर पहुंच गई.

> बाजार विश्लेषकों के मुताबिक अमेरिकी डॉलर में मजबूती और साल के अंत में हुई मुनाफावसूली के कारण कीमती धातुओं पर दबाव बना. घरेलू सराफा बाजार में भी इसका असर साफ नजर आया. दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,35,210 और 22 कैरेट सोना 1,23,950 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया.

पश्चिम रेलवे अहमदाबाद मंडल- विकास की नई रफ्तार

अहमदाबाद, 01 जनवरी. कैलेंडर वर्ष 2025 पश्चिम रेलवे के गुजरात राज्य में एक ऐतिहासिक, परिवर्तनकारी एवं उपलब्धियों से परिपूर्ण वर्ष के रूप में उभरकर सामने आया है. इस वर्ष रेल अवसंरचना के विस्तार, सीमावर्ती एवं तटीय क्षेत्रों में संपर्क सुदृढ़ीकरण, औद्योगिक विकास को गति देने तथा सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण परियोजनाओं को स्वीकृति एवं क्रियान्वयन के माध्यम से पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल ने विकास की एक नई गाथा लिखी है.

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल ने वर्ष 2025-26 में अब तक माल ढुलाई के क्षेत्र में उल्लेखनीय एवं सशक्त प्रदर्शन किया है. 30 दिसंबर तक प्रदर्शन के तुलनात्मक विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में 2024-25 की तुलना में समग्र रूप से सुधार दर्ज किया गया है. पिछले साल की तुलना में इस वर्ष 26000 वैगन की अधिक लोडिंग की गई. पिछले साल की तुलना में इस वर्ष 3889 रैक की अधिक लोडिंग की गई. समयपालन में अहमदाबाद मण्डल भारतीय रेलवे पर 10 में 8वें स्थान पर रहा. जिसकी समयपालनता 93.93प्रतिशत रही.

अहमदाबाद मण्डल ने पहली बार रिकॉर्ड कंटेनर लोडिंग पिछली साल से 13.11प्रतिशत अधिक हुई. खाद की लोडिंग पिछली साल की तुलना में इस वर्ष 19.11प्रतिशत अधिक रही.नमक की लोडिंग पिछली साल की तुलना में इस वर्ष 20.34प्रतिशत अधिक रही.

> अहमदाबाद मंडल को भारतीय रेलवे स्तर पर नॉन फेयर रेवेन्यू में 4ह्लद्ध स्थान प्राप्त हुआ है. इस उपलब्धि को देखते हुए अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार 2025 के लिए पश्चिम रेलवे को नॉन फेयर रेवेन्यू शील्ड घोषित की गई है जो माननीय रेलमंत्री जी द्वारा प्रदान की जाएगी. अहमदाबाद मंडल को माल लदान में 7 वां प्राप्त हुआ है. पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान (अप्रैल 2025 से दिसंबर 2025) राजस्व अर्जन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है. गत वर्ष की समान अवधि की तुलना में मंडल के विभिन्न राजस्व स्रोतों में सतत वृद्धि परिलक्षित हुई है. यात्री राजस्व में अहमदाबाद मंडल ने 6.38 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 1247.31 करोड़ से 1326.87 करोड़ का राजस्व अर्जित किया.

पान मसाला महंगा, तंबाकू पर बढ़ा टैक्स

नई दिल्ली, 01 जनवरी. सरकार ने स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर अधिनियम, 2025 को आगामी 01 फरवरी से लागू करने और तंबाकू उत्पादों पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की नयी दरें तय करने संबंधी अधिसूचनायें जारी कर दी हैं. ये अधिसूचनाएं बुधवार देर रात जारी की गयीं.

संसद के शीतकालीन सत्र में उपकर से संबंधित विधेयक पारित किया गया था. अधिनियम में सामान बनाने या बनाने के लिए लगाई गई मशीनरी या की जाने वाली प्रक्रिया पर उपकर लगाने का प्रस्ताव है. इस उपकर से होने वाली कमाई केंद्र के समेकित कोष (कंसोलिडेटेड फंड) में जायेगी और सरकार को

राष्ट्रीय सुरक्षा तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े खर्चों को पूरा करने में मदद करेगी. शुरुआत में इसे पान मसाले पर लागू किया गया है हालांकि अगर जरूरी हुआ तो सरकार दूसरे सामानों पर भी उपकर लगाने के लिए अधिसूचित कर सकती है. वित्त मंत्रालय इससे संबंधित नियम के लिए भी अधिसूचना जारी की है. एक अन्य अधिसूचना के अनुसार, 01 फरवरी से बीड़ी पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगाया जायेगा. पान मसाला, गैर-विनिर्मित तंबाकू और उसके अपशिष्ट, तंबाकू या तंबाकू के विकल्प से बनी सिगरेट, चेरूट, सिगारिलो और सिगार, अन्य विनिर्मित तंबाकू और तंबाकू के विकल्प, बिना दहन के उपभोग के लिए बने तंबाकू उत्पाद, और तंबाकू तथा निकोटीन के विकल्प से बने बिना दहन के उपभोग के लिए बने तंबाकू उत्पादों पर 40 प्रतिशत जीएसटी लगेगा.

ब्रॉडबैंड सब्सक्राइबरों की संख्या 100 करोड़ के पार

नई दिल्ली, 01 जनवरी. देश में ब्रॉडबैंड सब्सक्राइबरों की संख्या नवंबर में पहली बार 100 करोड़ के पार पहुंच गयी.

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) की ओर से बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, नवंबर 2025 में देश में 100.37 करोड़ ब्रॉडबैंड सब्सक्राइबर हो गये. यह सालाना आधार पर 2.55 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है. इसमें 95.85 करोड़ वायरलेस सब्सक्राइबर और 4.51 करोड़ वायरलाइन सब्सक्राइबर हैं. ट्राई ने बताया कि पिछले 10 साल में ब्रॉडबैंड सब्सक्राइबरों की संख्या छह गुना से ज्यादा बढ़ी है. नवंबर 2015 में यह संख्या 13.15 करोड़ थी. वहीं, टेलीफोन सब्सक्राइबरों की संख्या 3.16 फीसद बढ़कर 123.45 करोड़ पर पहुंच गयी.

साल के पहले दिन महंगाई का तड़का

नई दिल्ली, 01 जनवरी (वार्ता) साल के पहले ही दिन महंगाई का तड़का लग गया है. वाणिज्यिक रसोई गैस सिलेंडर के दाम बढ़ने से बाजार में मिलने वाले खाद्य पदार्थ की कीमत में भी बढ़ोत्तरी हो सकती है. तेल विपणन कंपनियों ने नये साल पर वाणिज्यिक रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में करीब सात प्रतिशत की भारी-भरकम बढ़ोतरी की है, जबकि घरेलू सिलेंडर के दाम में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है.

देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल

कॉरपोरेशन की वेबसाइट के अनुसार, दिल्ली में गुरुवार से 19 किलोग्राम वाला वाणिज्यिक रसोई गैस सिलेंडर 1,691.50 रुपये का हो गया है. यह जून 2025 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है. दिसंबर में इसकी कीमत 1580.50 रुपये थी.

कोयला उत्पादन पर सीएमडी का फोकस

नागपुर, 01 जनवरी. सीएमडी श्री जे. पी. द्विवेदी ने टीम वेकोलि से संवाद किया. वेकोलि मुख्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में श्री द्विवेदी ने कहा कि कोयला उत्पादन में वेकोलि तेजी से कार्य कर रहा है. उन्होंने बताया कि अब तक वेकोलि ने 40.07 मिलियन टन कोयले का उत्पादन तथा 43.66 मिलियन टन प्रेषण किया है.

आगे उन्होंने ओबीआर की स्थिति पर कहा कि वेकोलि ने अब तक 234.03 मिलियन क्यूबिक मीटर ओबी निष्कासन

सीएमडी द्विवेदी

किया है. सुरक्षा पर बात करते ही उन्होंने बताया कि वर्ष 2023-24 के लिए उमरेड क्षेत्र की गोकुल ओपन कास्ट तथा मकार्धोकड़ा ओपन कास्ट खदान, पाथाखेड़ा क्षेत्र की छत्तरपुर-1 भूमिगत खदान एवं नागपुर क्षेत्र की सावनेर-1 भूमिगत खदान को 5 स्टार रेटिंग अचीवर्स पुरस्कार से नवाजा गया. नवीन तकनीकी के प्रयोग के विषय में उन्होंने कहा कि वेकोलि में वर्तमान में 07 सरफेस माइनर एवं 03 कन्टिन्यूअस माइनर कार्यरत है.

वेकोलि के खनन तकनीकी को बल प्रदान करते हुए जल्दी ही 2 और सरफेस माइनर तथा योजनाबद्ध अंतराल में 23 कन्टिन्यूअस माइनर लगाए जाएंगे. उन्होंने आशा जताई कि मुंगोली खदान का फर्स्ट माईल कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट इसी वित्तीय वर्ष ने पूर्ण होगा.

विमान ईंधन सात प्रतिशत सस्ता

नई दिल्ली, 01 जनवरी (वार्ता). घरेलू विमान सेवा कंपनियों को बड़ी राहत देते हुए तेल विपणन कंपनियों ने नये साल पर विमान ईंधन की कीमतों में लगभग सात प्रतिशत की कटौती की है. देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, गुरुवार से दिल्ली में विमान ईंधन का मूल्य 7,354 रुपये (7.38 प्रतिशत) घटकर 92,323 रुपये प्रति किलोलीटर रह गया है. इससे पहले दिसंबर में इसकी कीमत 5.43 प्रतिशत बढ़ी थी.

आईटीसी के दबाव में गिरावट में बंद हुआ सेंसेक्स

मुंबई, 01 जनवरी. एफएमसीजी कंपनी आईटीसी में भारी बिकवाली के दबाव में गुरुवार को साल के पहले दिन बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स लगभग दिन भर बढ़त में रहने के बाद अंत में लाल निशान में बंद हुआ.

सरकार ने बुधवार देर रात पान मसाला और तंबाकू उत्पादों पर उपकर लगाने तथा जीएसटी की दरों में बदलाव के लिए अधिसूचनाएं जारी कर दीं. नयी दरें 01 फरवरी 2026 से लागू होंगी. अधिसूचना जारी होने के बाद देश की सबसे बड़ी सिगरेट कंपनी आईटीसी का शेयर आज करीब 10 प्रतिशत की गिरावट में बंद हुआ. यह अप्रैल 2023 के बाद का इसका निचला स्तर है. सेंसेक्स 32 अंक (0.04 प्रतिशत) टूटकर 85,188.60 अंक पर बंद हुआ.

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 16.95 अंक यानी 0.06 प्रतिशत की बढ़त में 26,146.55 अंक पर बंद हुआ.

पश्चिमी यूपी से भाजपा का शंखनाद

पंचायत चुनाव से पहले नब्ज टटोलने निकले पंकज चौधरी

लखनऊ. बीजेपी ने पंचायत और विधानसभा चुनावों की बिसात पश्चिम यूपी से बिछाने की शुरुआत कर दी है. बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने अपने दौरों की शुरुआत पश्चिम से ही शुरू की है. इसके पीछे बीजेपी की बड़ी रणनीति है. बीजेपी पश्चिम यूपी के किले को पूरी तरह से अभेद्य बनाने में जुटी हुई है.

वर्ष 2022 विधानसभा चुनावों में पश्चिम यूपी में किसान आंदोलन चल रहा था और आरएलडी भी सपा के साथ थी, इसके बावजूद बीजेपी ने अकेले दम पर जाट लैंड यानि कि पश्चिम यूपी की 125 विधानसभा सीटों में से 96 सीटें जीती थीं यानी कि पश्चिम की जमीन बीजेपी के लिए सियासी लिहाज से हमेशा उर्वरक है. अब बीजेपी के साथ आरएलडी भी

है. ऐसे में बीजेपी पश्चिम के सियासी दुर्ग को और मजबूत करने में जुट गई है.

हालांकि पश्चिम यूपी में वर्ष 2024 लोकसभा चुनावों में आरएलडी के साथ होने के बावजूद बीजेपी का प्रदर्शन बेहतर नहीं रहा, जिसे बीजेपी नेतृत्व गंभीरता से ले रहा है. यही वजह है कि बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कमान संभालते ही अपने दौरों की शुरुआत बांके बिहारी मंदिर में माथा टेक कर की है. पंकज चौधरी ने अध्यक्ष बनने के बाद पहले ही दौरे में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जब प्रदेश अध्यक्ष पद पर उनके नाम की घोषणा हुई तो कहीं न कहीं पश्चिम के लोगों को लगता था कि अध्यक्ष तो पूरब के हैं, पश्चिम पर ध्यान नहीं देंगे. इसलिए अपनी पहली यात्रा बांके बिहारी के दर्शन कर ब्रज क्षेत्र से शुरू करने का निर्णय लिया.

> **लखनऊ में जो हुआ वह...**
>
> प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने लखनऊ में ब्राह्मण विधायकों की बैठक को लेकर कहा कि मैंने कड़े शब्दों में संदेश दिया है कि ङ्खछ्वक्कसर्व समाज की पार्टी है. लखनऊ में जो हुआ वह दोबारा न हो. भाजपा राष्ट्रवादी पार्टी है. अगर लखनऊ जैसा दोहराया गया तो पार्टी के संविधान के अनुसार इसे अनुशासनहीनता माना जाएगा.

क्या चंद्रबाबू की योजना कारगर होगी?

हैदराबाद. आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने एक बड़ी घोषणा की है. उन्होंने ऐलान किया है कि अगर आंध्र प्रदेश का कोई व्यक्ति क्वांटम कंप्यूटिंग में नोबल पुरस्कार जीतता है तो उसको सरकार एक सौ करोड़ रुपए देगी.

यह बहुत बड़ी रकम होती है. वैसे नोबल जीतने वाले को 10 करोड़ रुपए नोबल कमेटी की ओर से मिलते हैं. लेकिन सौ करोड़ रुपए का ऐलान बड़ी बात है. लेकिन सवाल है कि नोबल जीतना क्या कुश्ती का मेडल जीतने की तरह है कि पैसे का प्रलोभन लोगों को उस दिशा में प्रेरित करेगा और वह जीत जाएगा? नोबल शारीरिक शक्ति की परीक्षा नहीं है और न किसी खास कौशल की परीक्षा है.

नोबल जीतना जीवन भर के संचित श्रम प्राप्य होता है, मेधा की श्रेष्ठता का परिचायक होता है और विशिष्ट संज्ञानात्मक श्रेष्ठता से इसे हासिल किया जाता है. उसके लिए पैसा प्रेरक तत्व नहीं हो सकता है. तभी नायडू की मंशा भले अच्छी हो लेकिन तरीका ठीक नहीं है.

सामने कुश्ती पीछे दोस्ती!

चंडीगढ़. आजकल पंजाब की राजनीति में एक सवाल है जिसका जवाब दो पार्टियों के नेता ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं. भारतीय जनता पार्टी और शिरोमणि अकाली दल के बीच गठबंधन की चर्चाएं आम हो गई हैं, जिसने कई सालों तक पंजाब पर राज किया है. कई भाजपा और अकाली दल के नेताओं ने खुलकर दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन की वकालत की है, जबकि कुछ पार्टी अनुशासन को ध्यान में रखते हुए सार्वजनिक बयान देने से बच रहे हैं.

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि 2027 के चुनावों तक दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन तय है. इस बीच, सोशल मीडिया पर अब वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिसमें लोगों से संभावित अकाली दल-भाजपा गठबंधन के बारे में सवाल पूछे जा रहे हैं. वीडियो में दिखाया गया है कि पंजाब में आम लोगों को फोन कॉल आ रहे हैं, और इन कॉल पर उनसे भाजपा-अकाली दल गठबंधन के बारे में सवाल पूछे जा रहे हैं. इस वीडियो को दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन की संभावनाओं से जुड़े एक सर्वे के तौर पर पेश किया जा रहा है.

'सीक्रेट सर्वे' में पूछे जा रहे दो सवाल!- दोनों पार्टियों के नेताओं के गठबंधन के बारे में हालिया बयानों के बाद सामने आया आए वीडियो ने एक बार फिर गठबंधन की संभावना पर चर्चा छेड़ दी है. पंजाब में लोगों को एक सर्वे में हिस्सा लेने के लिए फोन कॉल आ रहे हैं. यह सर्वे पंजाब की राजनीति में चर्चा का विषय बन गया है.

अकाली दल के लिए जरूरी है गठबंधन!

अकाली दल भी जानता है कि अगर वे पंजाब में सत्ता में वापस आना चाहते हैं, तो उनके पास बीजेपी के साथ गठबंधन करने के अलावा कोई और रास्ता नहीं है. पंजाब में अकाली दल की घटती लोकप्रियता और पार्टी नेताओं के बीच अंदरूनी कलह के कारण उन्हें लगातार चुनावी हार का सामना करना पड़ा है. इसलिए अकाली दल के नेता भी एक मजबूत साथी की तलाश में हैं. पिछले चुनाव में अकाली दल ने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के साथ गठबंधन किया था, लेकिन इस गठबंधन का नतीजों पर कोई असर नहीं हुआ. अकाली दल की हार का सिलसिला जारी रहा.

विशेष | **संगठन की कमजोरी और पार्टी के भीतर स्लीपर सेल पर खुलकर की टिप्पणी**

दिग्विजय सिंह के निशाने पर वेणुगोपाल?

नई दिल्ली. वैसे तो कांग्रेस स्थापना दिवस से एक दिन पहले पार्टी ने मनरेगा बचाओ, वोट चोरी, बांग्लादेश और अल्पसंख्यकों पर अत्याचार जैसे मुद्दों को लेकर कार्यसमिति की बैठक बुलाई थी, लेकिन उससे ठीक पहले वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह के एक्स पर किए गए दो पोस्ट ने हलचल मचा दी.

दिग्विजय पहले भी पार्टी संगठन को मजबूत करने की पैरवी करते रहे हैं. वोट चोरी के खिलाफ अभियान के ऐलान के बाद भी उन्होंने सवाल उठाया था कि क्या पूरे देश में वार्ड स्तर तक कांग्रेस का संगठन मौजूद है?

इसके बाद दिग्विजय ने पोस्ट के जरिए सीधे राहुल गांधी से संगठन को मजबूत करने के लिए विकेंद्रीकरण की जरूरत बताई. संभव है कि उन्हें लगा हो कि उनकी बात को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा, इसलिए सीडब्ल्यूसी बैठक से पहले उन्होंने आरएसएस और बीजेपी के संगठन की तारीफ करते हुए एक और पोस्ट कर दिया और पहले वाले पोस्ट को पिन भी कर दिया. इसके बाद दिग्विजय सिंह ने यह मुद्दा बैठक में भी उठाया. सूत्रों के अनुसार, दिग्विजय ने कहा कि एक तरफ संगठन सृजन अभियान के तहत जिलाध्यक्षों की नियुक्तियां हो रही हैं, लेकिन उनका सवाल यह दर्शाता है कि वे इस पूरी प्रक्रिया से संतुष्ट नहीं हैं. उन्होंने कहा कि आरएसएस एक खतरनाक संगठन है और उससे मुकाबले के लिए वार्ड स्तर तक मजबूत संगठन होना बेहद जरूरी है. साथ ही संगठन का विकेंद्रीकरण भी होना चाहिए. उनका तर्क था कि जब तक जमीनी स्तर पर संगठन नहीं होगा, तब तक पार्टी के कार्यक्रम सफल नहीं हो पाएंगे. चूंकि संगठन से जुड़ा अधिकतर काम महासचिव केसी वेणुगोपाल के पास है, इसलिए कांग्रेस के अंदर इस सियासी खींचतान को दिग्विजय बनाम केसी के रूप में भी देखा जा रहा है.

पार्टी के भीतर काफी सारे स्लीपर सेल एक्टिव- दिग्विजय सिंह ने कांग्रेस के भीतर संगठनात्मक कमजोरी को लेकर बयान दिया. दिग्विजय सिंह ने दावा किया कि पार्टी के भीतर काफी सारे स्लीपर सेल एक्टिव हैं, जिन्हें पहचानने की जरूरत है.

> **पोस्ट पर दिग्विजय की सफाई**
>
> बैठक के बाद शशि थरूर तो मीडिया से बचते नजर आए, लेकिन दिग्विजय सिंह ने अपने पोस्ट को लेकर सफाई दी. उन्होंने कहा कि उन्होंने आरएसएस या बीजेपी की तारीफ नहीं की, बल्कि उनके संगठनात्मक ढांचे की बात की है. उन्होंने कहा कि वे आरएसएस और बीजेपी के कट्टर विरोधी हैं और संगठन को लेकर जो कहना था, वही उन्होंने लिखा. दिग्विजय ने यह भी साफ किया कि वे हमेशा से विकेंद्रीकरण के समर्थक रहे हैं और बैठक में भी उन्होंने यही बात कही. उन्होंने यह भी कहा कि उनका पोस्ट केसी वेणुगोपाल के खिलाफ नहीं है.